<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ निर्मल तट दिवस के अवसर पर "आई एम सेविंग माई बीच" मुहिम का हुआ आज शुभारंभ

भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने वेबिनार के माध्यम से दिया संदेश

दीव 18 सितम्बर, 2020 :अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ निर्मल तट दिवस के अवसर पर संपूर्ण विश्व के साथ भारत में भी नदी, तालाब और समुद्र के तटों पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता के नारे को बुलंद किये जाने हेतु **"आई एम सेविंग माई बीच"** मुहिम का आज शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में माननीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने वेबिनार के माध्यम से संदेश दिया।इसके बादसचिवश्री आर.पी. गुप्ता ने भारत का अपना ईको-लेबल को **"आई एम सेविंग माई बीच"** अभियान के साथ लॉच किया है । संबंधित मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के पायलट प्रोजेक्ट **ब्लू फ्लैग बीच सर्टिफिकेशन** के सभी नोडल अधिकारियों को शामिल किया गया और बीम्स पर आधारित डॉक्यूमेंटरी फिल्म के प्रदर्शन के साथ-साथ कैटलोग एवं ई -बुकलेट लॉच किया गया ।

आज इसी संदर्भ में घोघला बीच पर प्रशासन द्वारा एक कार्यक्रम रखा गया जहॉ पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित वेबिनार में समाहर्ता, दीव श्रीमती सलोनी राय, पर्यटन उप निदेशकएवं दीव नगरपालिका परिषद के प्रमुख औरकर्मचारीगण उपस्थित रहे । समाहर्ता, दीव ने **"आई एम सेविंग माई बीच"**मुहिम के तहत ध्वाजारोहण किया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बीचों के मानदंड को ध्यान में रखते हुए इस बीच का विकास किया जा रहा है और आगे भी किया जाएगा । ज्ञातव्य हो कि राष्ट्रीय स्तर पर 10 समुद्री तटों के ब्लू फ्लैग सर्टिफिकेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें से भारत के 08 समुद्र तटों को नामित किया गया है । इसमें दीव का घोघला बीच भी शामिल है ।

इस अवसर पर कंट्री निदेशक, विश्व बैंक ने भारत सरकार द्वारा तटीय क्षेत्र प्रबंधन और समुद्री तटों के सतत विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि समुद्र तट केवल मनोरंजन का ही स्थल नहीं है बल्कि इनके विकास से लोगों की आय भी बढ़ती है और इससे उनके जीवन स्तर में सुधार भी आता है ।

माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के दिशा-निर्देश एवं समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय के मार्गदर्शन में दीव के सभी समुद्री तटों एवं पर्यटक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गयापरिणामस्वरूप आज दीव के समुद्र तट स्वच्छ और निर्मल हैं । इस अभियान को सफल बनाने के लिए दीव जिला प्रशासन ने सभी से भी अपील की है कि वे **"आई एम सेविंग माई बीच "**मुहिम से जुड़कर अपना श्रमदान करें और दीव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में अपना सहयोग दें जिससे कि दीव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक उत्तम पर्यटक स्थल के रूप मे अपना अलग मुकाम हासिल कर सके।